तमिलनाडु की कांजीवरम की तर्ज पर की जा रही है व्यवस्था

बनारसी साड़ी के लिए भी वर्कशॉप बनाने की तैयारी

पहल

वाराणसी, विशेष संवाददाता। तमिलनाडु के कांचीपुरम में कांजीवरम सिल्क साड़ियों की तर्ज पर काशी में बनारसी साड़ी कारोबार को सहेजने और समृद्ध करने की तैयारी शुरू हो गई है। घनी आबादी वाले शहर की गलियों और मुहल्लों से साड़ी कारोबार को विस्तृत क्षेत्र में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए वाराणसी-चुनार रोड पर करीब 40 एकड़ जमीन चिह्नित की जा रही है। ताकि एक ही स्थान पर विभिन्न कम्पनियों में बनारसी साड़ियों का निर्माण हो सके।

कपड़ा मंत्रालय और प्रदेश के एमएसएमई विभाग की ओर से इस सम्बंध में खाका प्लान बनाया जा रहा है। इस बाबत जिला प्रशासन की ओर से व्यवसायियों, उद्यमियों, बुनकर और सिल्क निर्माणकर्ताओं से समन्वय चल रहा है। आधा दर्जन से अधिक बड़े साड़ी व्यवसायियों और कपड़ा उद्यमियों ने सहमति भी दे दी है।

जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि जीआई उत्पाद घोषित होने के बाद से कई अंतरराष्ट्रीय कम्पनियां स्थानीय उद्यमियों से साड़ियां लेकर महंगे दामों में बेच रही हैं। चूंकि बनारसी साड़ी उद्योग शहर की ज्यादातर गलियों और घने इलाकों में आबाद है। इसलिए वहां तक काफी लोगों की पहुंच नहीं हो पाती है। कई बार पर्यटक बनारसी सिल्क साड़ियों के चक्कर में ठगे भी जाते हैं। लिहाजा, केंद्र सरकार की पहल पर बनारसी साड़ी उद्योग को और विस्तार देने के लिए एक छत के नीचे निर्माण व्यवस्था की जा रही है।

कपड़ा मंत्रालय और एमएसएमई की ओर से कांजीवरम की तर्ज पर बनारस में भी एक बड़ा वर्कशॉप खोलने की तैयारी है। जिसे यहां के साड़ी निर्माताओं को जगह आवंटित की जा सके।

इससे उन्हें कच्चा माल की ढुलाई और निर्यात में परिवहन की बेहतर सुविधा मिलेगी। जगह अधिक होने से वे अपना स्टोर खोलकर खरीदारों को आमंत्रित भी कर सकते हैं। वहीं क्रेताओं के लिए यह सुविधाजनक होगा कि एक स्थान पर बनारसी साड़ियों की विभिन्न वेरायटी एक साथ देख सकेंगे। दूसरा पक्का महाल में भीड़ और जाम से लोगों को राहत भी दिलाई जा सकती है।

प्रशासन की कोशिश

1. वाराणसी-चुनार रोड पर तलाशी जा रही 40 एकड़ जमीन
2. घनी आबादी वाली गलियों का कारोबार किया जाएगा शिफ्ट
3. कपड़ा व्यापारियों से मांग के अनुसार होगा दुकानों का आवंटन
4. कपड़ा मंत्रालय-एमएसएमई की ओर से बन रही कार्ययोजना

बनारस में कारोबार

1. 2000 से 2200 करोड़ का सालाना कारोबार है बनारसी साड़ियों का काशी में
2. 90 हजार पावरलूम और 22 हजार हैंडलूम बुनकर साड़ी उद्योग से जुड़े हैं
3. 08 से 10 हजार व्यापारी, उद्यमी एवं निर्यातक साड़ियों का करते हैं कारोबार